කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2019

2023 දෙසැම්බර්

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - **HIND E 3025** (නව නිර්දේශය)

නූතන හින්දී ගද්‍ය සාහිත්‍යය (නියමිත සහ අනියමිත)
MODERN HINDI PROSE (SPECIFIED AND UNSPECIFIED)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 06යි

කාලය : පැය 03යි

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 01 तथा 02 अनिवार्य हैं।

01. निम्नलिखित गद्यांशों में से **किन्ही दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) पंडित परमसुख चौबे छोटे और मोटे से आदमी थे। लंबाई चार फीट दस इंच और तोंद का घेरा अट्ठावन इंच। चेहरा गोल–मटोल, मूँछ बड़ी–बड़ी, रंग गोरा, चोटी कमर तक पहुँचती हुई।

(ख) "ऐसा न उन्हें भी भारत में जीना–मरना है। हमारी तरह भारत उनकी भी जन्मभूमि हो चुकी है। अब उन्हें काफिले में लादकर अरब नहीं भेजा जा सकता। उन्हें रहना पड़ेगा और हमें उन्हें रखना होगा। वे हमें अपना समझें और हम उन्हें, यही स्वाभाविक है, यही उचित है।"

(ग) "हाँ–हाँ बैंड से भी अच्छे, हज़ार गुने अच्छे, लाख गुने अच्छे। तुम जानो क्या एक बैंड सुन लिया, तो समझने लगीं कि उससे अच्छे बाजे नहीं होते। बाजे बजाने वाले लालन–लाल वर्दिया और काली–काली टोपियाँ पहने होंगे। ऐसे खूबसूरत मालूम होंगे कि तुमसे क्या कहूँ आतिशबाजियाँ भी होंगी, हवाइयाँ आसमान में उड़ जाऐंगी और वहाँ तारों में लगेंगी तो लाल, पीले, हरे, नीले, तारे टूट–टूटकर गिरेंगे। बड़ा मज़ा आएगा।"

02. निम्नलिखित गद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

इस दुनिया में शायद ही कोई इंसान न होगा जिसके जीवन में कठिनाइयाँ ना हो। जब तक जीवन चलता है सुख और दुख दोनों साथ चलते रहते हैं। लेकिन हर कठिनाई के साथ एक अच्छा पाठ छिपा रहता है। इतिहास साक्ष्य है कि जिस व्यक्ति ने अपनी कठिनाइयों का सामना करके उनसे पार पाया है, वही आगे जाके सफल हुआ है। बहुत सारे लोग अक्सर मन ही मन खुद को कोसते हैं कि सारी समस्याएँ मेरे साथ ही क्यों होती हैं। लेकिन ये तो सच नहीं है, वास्तव में हर इंसान को अपनी समस्या ही सबसे बड़ी लगती है और ऐसा इसलिए है, क्योंकि आप दूसरे लोगों की परेशानियों को नहीं जानते। एक बात हमेशा ध्यान रखिए कि समस्या को आसान मान लें तो वह वास्तव में आसान लगने लगती है और मुश्किल मान लें तो समस्या खुद–ब–खुद बड़े लगने लगती है।

03. **निर्मला** उपन्यास के पठित अंश के आधार पर उसमें निरूपित एक चरित्र का वर्णन कीजिए। (20 अंक)

04. **'राखी का मूल्य' एकांकी के आरंभ से अंत तक राखी के महत्व का ही वर्णन है।'** समझाइए। (20 अंक)

05. **'आदमी का बच्चा कहानी में चित्रित 'डौली' एक साधारण स्वभाव की प्यारी बच्ची है।'** इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (20 अंक)

<u>अथवा</u>

'आदमी का बच्चा' कहानी का कथा सारांश अपनी हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

06. **'बैजू मामा'** रेखाचित्र में निरूपित 'बैजू मामा' के चरित्र का वर्णन कीजिए। (20 अंक)

****